डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www.awajdarpan.com पर पढ़ें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक ३९ रविवार १५ सितम्बर से २१ सितम्बर २०२४ मूल्य तीन–रुपये

लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित करें राजस्व वसूली

संवाददाता–बस्ती। राजस्व वसूली से जुड़े समस्त अधिकारियों का दायित्व है कि दिये गये लक्ष्यों के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करायें। यदि किसी भी विभागीय अधिकारियों द्वारा शिथिलता बरती गयी तो निश्चित ही उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेंगी। उक्त निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में वसूली से जुड़े विभागीय अधिकारियों के साथ प्रवर्तन कार्यो, कर–करेत्तर एवं राजस्व वसूली की गहन समीक्षा करने के दौरान जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने दिया। उन्होने जोर देते हुए कहा कि राजस्व वसूली से ही सरकार द्वारा तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जाता है। इसलिए राजस्व वसूली को सभी विभागीय अधिकारी प्राथमिकता से ले और विशेष रूचि ले कर वसूली करके लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। उन्होने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, सम्भागीय परिवहन, विद्युत, मण्डी, खाद्य सुरक्षा, श्रम, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालय में लम्बित मामलों की समीक्षा करते हुए नियमानुसार तेजी से निस्तारण किया जाय। बैठक के दौरान एडीएम प्रतिपाल चौहान, सीआरओ संजीव ओझा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक, विनोद कुमार, आशुतोष तिवारी, मनोज प्रकाश, एआरटीओ पंकज कुमार, आबकारी अधिकारी राजेश कुमार त्रिपाठी, डीएफओ जयप्रकाश, अधिशासी अभियन्ता विद्युत मनोज कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मेरी ताकत 100 गुना ज्यादा बढ़ गई, तिहाड़ से बाहर आते ही गरजे सीएम अरविन्द केजरीवाल

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आखिरकार जेल से बाहर आ चुके हैं। मनीष सिसोदिया,संजय सिंह समेत आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेताओं ने उनका स्वागत किया। जेल से बाहर आकर उन्होंने आप कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि वह सच्चे थे इसलिए भगवान ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, जेल बाहर आकर मेरी ताकत 100 गुना बढ़ गई है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दोस्तों मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है। मेरी जिंदगी का एक–एक पल, एक–एक कतरा देश के लिए कुर्बान है। मैंने जिंदगी में बहुत संघर्ष किया है। बहुत बड़े बड़े संघर्ष किए। जिंदगी में बहुत मुश्किल झेली है। मगर हर कदम पर भगवान ने मेरा साथ दिया है। ऊपर वाले ने मेरा साथ दिया क्योंकि मैं सच्चा था। सही था। इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया। जिन लोगों ने मुझे जेल में डाल दिया, उन लोगों को लगा कि हम लोग टूट जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि आज आप लोगों को कहना चाहता हूं कि मैं जेल से बाहर आया हूं। मेरे हौसले 100 गुना ज्यादा बढ़ गए हैं। मेरी ताकत सौ गुना ज्यादा बढ़ गई है। इनकी जेल की मोटी–मोटी दिवारे, सलाखे, केजरीवाल के हौसले को कमजोर नहीं कर सकती हैं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जैसे आज तक ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया, वैसे आगे भी रास्ता दिखाता रहे।

उन्होंने कहाकि मैं देश की सेवा करता रहा। जितनी राष्ट्रविरोधी ताकतें हैं, जो देश का विकास रोक रही हैं, जो देश को बांटने का काम कर रही हैं, जो देश को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। जिंदगी भर इनके खिलाफ लड़ा। आगे भी ऐसे ही लड़ता रहूंगा। अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आए तो भारी संख्या में मौजूद आप नेताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। बारिश के बावजूद मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल सहित आप के कई वरिष्ठ नेता केजरीवाल के स्वागत के लिए मौजूद रहे।

भारी बारिश के बीच पोस्टर, बैनर और पार्टी के नीले–पीले झंडों के साथ छाते लेकर आप समर्थक जेल के बाहर मौजूद थे। खुशी से झूमती भीड़ मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे लगाए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और पार्टी नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित आप के कई अन्य वरिष्ठ नेता भी मौके पर मौजूद थे। आप समर्थकों ने तिहाड़ जेल के बाहर ''जेल के ताले टूट गए, अरविंद केजरीवाल छूट गए'' जैसे नारे लिखे बड़े–बड़े बैनर लगाए। केजरीवाल की रिहाई से पहले जेल के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। फिलहाल केजरीवाल चंदगी राम अखाड़ा जा रहे हैं जहां से उनके घर तक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया है। इसे आम आदमी पार्टी के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के पांच अगस्त के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था।

बस्ती सदर ब्लाक प्रमुख द्वारा भाजपा मण्डल अध्यक्ष अखिलेश को गाली, धमकी देने का मामला गरमाया

संवाददाता–बस्ती। बस्ती सदर विकास खण्ड के ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव द्वारा भारतीय जनता पार्टी महसो के मण्डल अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल को फोन पर अश्लील भाषा में गालिया देने, जान से मारने की धमकी का मामला सुर्खियों में है। शुक्रवार को अखिलेश शुक्ल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर मांग किया कि बस्ती सदर विकास खण्ड के ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करने के साथ ही उनका और उनके परिवार के जान माल की रक्षा किया जाय। अखिलेश शुक्ल ने बताया कि एसपी ने मामले में मुकदमा दर्ज कराने के साथ प्रभावी कार्यवाही का आश्वासन दिया है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी महसो के मण्डल अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल ने कहा कि मामले में यदि प्रभावी कार्यवाही न हुई तो एक प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री से मिलकर समस्याओं को रखने के साथ ही न्याय दिलाने की मांग करेगा।

एसपी सहित अन्य उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में भारतीय जनता पार्टी महसो के मण्डल अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल ने कहा है कि वे साधन सहकारी समिति महसो के सदस्य एवं अध्यक्ष हैं। उन्होने ब्लाक द्वारा साधन सहकारी समिति महसो में लगवाये गये गुणवत्ता विहीन टाइल्स की शिकायत सोशल साइट पर पोस्ट किया था। इसी रंजिश को लेकर 12 सितम्बर की सुबह लगभग 6 बजे ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने उन्हें जान से मार देने की धमकी देने के साथ ही भद्दी–भद्दी अश्लील गालियां दी। भाजपा नेता ने मांग किया है कि प्रकरण को प्रभावी कार्यवाही की जाय। ज्ञापन देने वालों में अखिलेश शुक्ल के साथ राकेश उपाध्याय, राजकुमार चौरसिया, इन्द्रजीत चौहान, श्याम नाथ चौधरी, दिलीप भट्ट, गौरव त्रिपाठी, संजय पाण्डेय, मो. सलीम, दुर्गेश कुमार, अतुल यादव, सिकूं सिंह के साथ ही 7 भाजपा मण्डल अध्यक्ष शामिल रहे।

बलात्कार की झूठी घटना दिखाकर धन उगाही करने के मामले में नामजद मुकदमा दर्ज

संवाददाता–बस्ती। बस्ती कोतवाली पुलिस ने गौर थाना क्षेत्र के ढोढरी निवासी शशिकान्त पाण्डेय की तहरीर पर भोली–भाली महिलाओं को फुसलाकर पैसे की लालच देकर झूठा आरोप लगाने के मामले में गांव के ही दिलीप कुमार पाण्डेय पुत्र सिद्धनाथ के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 318 (2), 318 (4) के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

बस्ती कोतवाली पुलिस को दिये तहरीर में कहा गया है कि जनपद में एक गैंग चल रहा है जो गरीब महिलाओं को पैसे की लालच देकर झूठा मनगढ़त आरोप तैयार कर दबाव बनाकर बलात्कार का घटना दिखाकर अच्छे छवि वालों पर आरोप लगाते है। इस काम में दिलीप कुमार पाण्डेय पुत्र सिद्धनाथ ग्राम–ढोढरी, थाना– गौर, जिला–बस्ती महिलाओ को बहला फुसलाकर गलत काम कराते हैं बाद में अच्छी रकम लेकर सुलह– समझौता कराते है, जिससे जिले का नाम बदनाम हो रहा है। ऐसा एक घटना मिथिलेश पत्नी राम गोपाल ग्राम–करमा, थाना–पुरानी बस्ती, जनपद–बस्ती प्रकाश में आया है, जिसमे मिथिलेश के तरफ से धारा 156 (3) सीआरपीसी के तहत मिथिलेश बनाम जितेन्द्र आदि दाखिल किया गया है, जो गलत है। यह दिलीप कुमार पाण्डेय का कारनामा था जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक को एक प्रार्थना पत्र मिथिलेश के द्वारा शपथ पत्र के साथ देकर इस गैंग में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गयी है। इसी गांव में कई महिलाओं को अपने जाल में फसांकर फोटो, आधार कार्ड तथा सादा कागज पर हस्ताक्षर कराकर कई लोगों पर झूठा मुकदमा धारा 156 (3) सीआरपीसी के तहत कोर्ट में मुकदमा दाखिल कराकर लोगो को बदनाम करते है। जिसमें दिलीप कुमार गैंग के सरगना के रुप में काम कर रहे है। ग्राम–करमा की संगीता आदि ने भी प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है कि आधार कार्ड, फोटो तथा सादा कागज पर हस्ताक्षर दिलीप कुमार पाण्डेय ने रखा है जिसका वह दुरूपयोग कर रहे है।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।

– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

हिन्दी की विकास यात्रा

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी–दिवस के रूप में मनाया जाते लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है। पिछले 71 सालों से हम प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाते आ रहे हैं।

यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है और दिन–प्रतिदिन इसमें और तेजी आ रही है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है जिसे देवभाषा भी कहा जाता है। माना जाता है कि हिंदी का जन्म भी संस्कृत भाषा से हुआ है। भारत में ध र्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है।

अंग्रेजी व चीनी भाषा मंदारिन के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। नेपाल, पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी को हिंदी बोलना, लिखना, पढ़ना आता है। बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश की सरकारे तो हिंदी भाषियों द्वारा ही चलायी जा रही हैं। पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या करीबन एक सौ करोड़ से अधिक है।

हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करने का अभिनव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं। जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है।

हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। भारत की मातृ भाषा हिन्दी को सम्मान देने के लिये प्रति वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है।

हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है। लेकिन हिन्दी भाषा समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए भी जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है। यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना लाती है। जिंदगी में सफलता पाने के लिये हर कोई अंग्रेजी भाषा को बोलना और सीखना चाहता है। हिन्दी भाषी लोगों को इस हीन भावना से उबरना होगा, क्योंकि मौलिक विचार मातृभाषा में ही आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है जिस भाषा में आदमी जीता है। हमें अहसास होना चाहिये कि हिन्दी दुनिया की किसी भी भाषा से कमजोर नहीं है। बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकड़ों छोटे–बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन–अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विदेशों से हिन्दी में दर्जनों पत्र–पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर सुदृढ और समृद्ध है। इसके विकास की गति बहुत तेज है। आदिकाल से अब तक हिन्दी के आचार्यों, सन्तों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिन्दी–प्रेमियों ने अपने ग्रन्थों, रचनाओं से हिन्दी को समृध्द किया है। परन्तु हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं मतों को विविध विधाओं के माध्यम से हिन्दी में अभिव्यक्त करें ।

जम्मू–कश्मीर चुनाव और भाजपा

—नीरज कुमार दुबे—

जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू–कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी? हम आपको बता दें कि भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। देखा जाये तो कश्मीर घाटी में 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का भाजपा का फैसला हैरानी भरा है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू–कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आये अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लायेगी?

हम आपको बता दें कि कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। श्रीनगर में एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमने वर्षों से विपरीत माहौल में पार्टी को खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब हमें पुरस्कृत करने का समय आया, तो पार्टी ने हम पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने या तो सीटें छोड़ दीं या ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जो पार्टी में नए हैं।

कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता अमित शाह के वादे पर भी सवाल उठा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान, भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद व्यक्त किया था। हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

इसलिए सवाल उठ रहा है नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिये गये आश्वासन के बावजूद भाजपा ने अपना मन क्यों बदला? हम आपको बता दें कि कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गयीं थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गयी सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गये हैं जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूबी समझ रहे हैं। हम आपको बता दें कि नेशनल कांफ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नये दलों की फौज उतार दी है ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जायें। यही नहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आजाद भी हमारे ही हैं, निर्दलीय उम्मीदवार भी हमारे ही हैं।

हम आपको बता दें कि भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं।

घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कांफ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्व प्रध ानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कांफ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे।

बहरहाल, घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर–ए–कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस रैली में करीब 30,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। देखना होगा कि जम्मू–कश्मीर की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठता है?

प्राविधिक सहायकों ने दिया बड़े आन्दोलन की चेतावनी

संवाददाता–बस्ती। प्राविधिक सहायक भानुशंकर पर जानलेवा हमले के मामले में तीन सूत्रीय मांगों को लेकर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक के नेतृत्व में कर्मचारियों का उप कृषि निदेशक कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। धरने को सम्बोधित करते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि यदि 16 सितम्बर तक तीन सूत्रीय मांगे न मानी गई तो 17 सितम्बर से आर–पार की लड़ाई लड़ी जायेगी। धरने को लेखपाल संघ जिलाध्यक्ष राम सुमेर यादव, मंत्री अंकित चौधरी, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर प्राविधिक सहायकों के सुरक्षा की व्यवस्था के साथ ही मुकदमें में दोषियों के विरूद्ध गंभीर धारायें लगाई जाय। उत्तर प्रदेशीय एग्री मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, राजकीय वाहन चालक महासंघ अध्यक्ष वेद प्रकाश मिश्र, स्टेनो ग्राफर महासंघ सचिव दीपनरायन वर्मा, के साथ ही अनेक कर्मचारी संगठनों ने अपना समर्थन दिया। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि जब तक तीन सूत्रीय मांगों को मान नहीं लिया जाता धरना जारी रहेगा। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक ने कहा कि रूधौली पुलिस ने अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि तीन गिरफ्तार नहीं किये गये हैं। जब तक प्रभावी कार्यवाही के साथ ही मामले में दोषियों के विरूद्ध गंभीर धाराओं में परिवर्तित कर न्याय नहीं मिल जाता अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। 3 दिन के अवकाश के बाद धरना 17 से शुरू होगा। धरने में मुख्य रूप से हेरम्बनाथ त्रिपाठी, दिलीप चौधरी, विजय वर्मा, शिवपाल, क्षितिज, मुकेश कुमार, अमित कुमार, अनुपम कुमार, आनन्द कुमार सिंह, रामलल्लन, धीरेन्द्र वर्मा, पवन कुमार, शिखर गौतम, अंजनी कुमार यादव, रामकृष्ण शुक्ला, हरिलाल जायसवार, राजेन्द्र प्रसाद, वृजेश कुमार निषाद, सदानन्द मौर्य, अरून कुमार, राजू, धर्मेन्द्र वर्मा, अम्बिकेश प्रताप सिंह, संदीप अमेटा, विपिन, सुमित श्रीवास्तव, पवन मिश्र, राजकुमार चौहान, जंग बहादुर, अखिलेश चन्द्र, सुभाष, राम बहाल, गौरव के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पांच सालों में यूपी में खत्म हो जाएगी डाक्टरों की कमी –सीएम योगी

लखनऊ (आभा)। पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच 1200 से 1500 मौतें होती थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें होती थीं। यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना–देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। यह सिस्टम की नाकामी थी। मैंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ। यह बात यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गयी। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया।

एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी बदमाश को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के रेहरा बाजार सराय स्थित एक जन सेवा केंद्र से पांच बदमाशों ने दिनदहाड़े असलहे की नोक पर 70 हजार रुपये लूट कर फरार हो गए। इस मामले में जन सेवा केंद्र के संचालक की तहरीर पर पुलिस ने डकैती का केस दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड सिद्धार्थनगर जिले के भवानीगंज थाने के गांव महतिनिया का रहने वाला राहुल गुप्ता पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। पुलिस ने इसके गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस से बचने के लिए यह मुंबई भाग गया था। एसटीएफ के एडिशनल एसपी दिनेश सिंह को महाराष्ट्र में होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद सब इंस्पेक्टर अमित कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक टीम महाराष्ट्र भेजी गई थी।

एसटीएफ की टीम ने स्थानीय स्तर पर सूचना एकत्र करने के बाद एसटीएफ ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के कस्बा बावड़ा सुगरमील चौक बस स्टाप के पास से राहुल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ राहुल का अपराधिक रिकॉर्ड खंगालने की तैयारी कर रही है। राहुल ने एसटीएफ टीम को पूछताछ के दौरान बताया कि इसका एक संगठित गिरोह है। जो पिछले कई वर्षों से लूट डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देने के बाद उससे मिली रकम को आपस में मिलकर बांट लेते थे। बलरामपुर जनसेवा केंद्र से हुई लूट के विषय में उसने कहा कि जनसेवा केंद्र खुलते ही हम लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया था। इसके बाद पुलिस से बचने के लिए वह मुंबई चला गया। और वहां छुप कर रह रहा था।

स्तुति पाण्डेय का ग्राम विकास अधिकारी पद पर चयन

संवाददाता–बस्ती। बस्ती सदर विकासखण्ड के ताडीजोत गांव निवासी दिनेश पाण्डेय की पुत्री स्तुति पाण्डेय का चयन ग्राम विकास अधिकारी पद पर हुआ है। स्तुति पाण्डेय की प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर रामबाग एवं इंटरमीडिएट तक की शिक्षा बस्ती में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में हुई ।

स्तुति पाण्डेय की शिक्षा की तैयारी बड़े भाई अभिषेक पाण्डेय ब्रांच मैनेजर मांधाता प्रतापगढ़ के मार्गदर्शन में प्रयागराज और प्रतापगढ़ में हुई । इनके पिता दिनेश पाण्डेय भारतीय जीवन बीमा निगम में अभिकर्ता और माता गृहणी है । स्तुति पाण्डेय ने अपनी सफलता का श्रेय अपने बाबा उदय राज पाण्डेय शिक्षक और दादी , माता पिता व गुरुजनों को दिया। चयनित होने पर उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के प्रबंधक विनय शुक्ला और प्रधान प्रतिनिधि शैलेन्द्र पाण्डेय क्षेत्र के कन्हैया लाल गुप्ता, सुभाष गुप्ता एवं क्षेत्रवासियों में प्रसन्नता है।

डंपिंग ग्राउंड से उठ रही बदबू से नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर–महराजगंज हाईवे स्थित अगया में बने महराजगंज नगरपालिका के डंपिंग ग्राउंड से उठ रहे बदबू से नाराज लोगों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। ग्राउंड के पास विरोध कर रहे लोग बदबू से निजात दिलाने की मांग कर रहे थे। लोगों का कहना है कि संक्रामक बीमारियों के खतरे से आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। नगर पालिका महराजगंज के कचड़े के निस्तारण करने के लिए अगया में डंपिंग ग्राउंड बनाया गया है। इसका शुरू से ही स्थानीय ग्रामीण विरोध कर रहे थे।

शुक्रवार को नगर पालिका कर्मचारी कुछ मजदूरों को लेकर डंपिंग ग्राउंड के कचरे को निस्तारित कर रहे थे, जिससे आसपास बदबू फैल रहा था। इससे ग्रामीण आक्रोशित हो गए तथा नगर पालिका कर्मचारी से नोकझोंक होने लगी। कचरे को सही ढंग से निस्तारित करने तथा दवा आदि का छिड़काव करने की मांग को लेकर लोग प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि जब से यहां डंपिंग ग्राउंड बना है, महराजगंज शहर का पूरा कचरा यहीं पर आता है। रख रखाव एवं दवा छिड़काव के अभाव में यहां हमेशा तेज दुर्गंध उठती रहती है। इसके कारण यहां के स्थानीय लोगों को भोजन करने एवं सोने में बड़ी समस्या आती है। लोगों ने बताया कि यहां बड़े पैमाने पर बड़े–बड़े मच्छर एवं अन्य कीड़े–मकोड़े पैदा हो गए हैं। दिन में भी बिना मच्छरदानी के कोई सो नहीं सकता है और न ही ठीक से भोजन कर सकता है। हमेशा संक्रमण की आशंका बनी रहती है।

प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग गोरखपुर–महराजगंज हाइवे को जाम करने की कोशिश करने लगे, लेकिन सूचना पर पहुंची पुलिस ने सबको समझा–बुझाकर मामला शांत करा दिया। इस अवसर पर रंगीलाल साहनी, प्रमिला देवी, बर्फी देवी, चंद्रावती, अनुराधा, पूनम, मीना, कुसमावती, पदम, अनूप, उमेश, दीपक, शिवसागर, जय गोपाल, शिवरतन, विजय बहादुर, जितेंद्र, प्रेम मौर्य, उपेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भारतीय कुर्मी महासभा ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। शुक्रवार को भारतीय कुर्मी महासभा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर प्रदेश संगठन सचिव आर. के. सिंह पटेल के नेतृत्व में महासभा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि ललितपुर जनपद में गौना थाना क्षेत्र के नारहट निवासी हुकुम सिंह के पुत्र इन्दल सिंह पटेल को गांव के ही सामंतवादी गुण्डा कृष्ण गोपाल, गुड्डू राजा, नानू राजा सहित 9 लोगों द्वारा रंजिशन घर में घुसकर बुरी तरह से मारपीट कर लहुलुहान कर दिया। इसके बाद पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दिया और घर में तोड़फोड़ किया। इंदल सिंह पटेल की स्थिति नाजुक है। उन्हें झांसी से ग्वालियर रेफर किया गया है।

भारतीय कुर्मी महासभा ने ज्ञापन के द्वारा मांग किया गया है पीड़ित और घायलों को चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा के साथ ही 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दिया जाय। यदि मांगे न मानी गई तो महासभा सड़क पर उतरकर संघर्ष करने को बाध्य होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में महासभा जिलाध्यक्ष विजय कुमार वर्मा, अशोक कुमार चौधरी, बद्री प्रसाद चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, दिवान चन्द पटेल, मंशाराम चौधरी, के.सी. चौधरी, रजत चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, अजय चौधरी, अभिषेक चौधरी के साथ ही अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

तीन दिनों तक चलेगा नार्थ सेंट्रल जोन इंश्योरेंस इम्प्लाइज फेडरेशन का तीसवां अधिवेशन

संवाददाता–अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में नार्थ सेंट्रल जोन इंश्योरेंस इम्प्लाइज फेडरेशन का तीसवां त्रिवर्षीय महा अधिवेशन 14 से 16 सितंबर को होटल क्रिन्सको अमानीगंज में संपन्न होगा जिसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 12 मंडलीय इकाइयों की क्षेत्रीय इकाई है, जिसमें दो प्रदेशो के एलआईसी कर्मचारियों का सबसे बड़ा संगठन है और इसकी सदस्यता लगभग 5000 के करीब है, जिसमें कुल कर्मचारियों की संख्या 85 से अधिक है उक्त बातें प्रेस से मुखातिब होते हुए अध्यक्ष संजीव कुमार शर्मा ने बताया। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर एनसीजेडआईईएफ बीमा कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसिएशन (एआईआईईए) से संबंधित है, जो देश के व्यापार संघ में एक विशिष्ट स्थान है और 1956 में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के गठन में महत्वपूर्ण है संघर्ष और योगदान है। यह 1951 से 1956 तक का एकमात्र एआईआईईए का 05 वर्ष का संघर्ष था, जिसने भारत सरकार को 245 निजी कंपनियों को समग्र एलआईसी के गठन के निर्णय के लिए मजबूर किया।

उन्होंने बताया कि 5 करोड रुपए से आरंभ की गई भारतीय जीवन बीमा निगम वर्तमान समय में लगभग 53 करोड रुपए की संपदा वाली संस्था है और इस चुनौती के तहत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्रों को कमजोर करने की नीति के खिलाफ, ठोस और बेहतर स्थायी रोजगार सृजन करने के लिए और दृढ़ता के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष की चुनौती पैदा की जाती है। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट के कारण कर्मचारियों की कमी हो गई है शीघ्र भर्ती की जाए जिससे बेरोजगारी पर भी लगाम लगाई जाएगी यह सारी बातें तीन दिन के अधिवेशन में हम सब विचार विमर्श करेंगे और सरकार से संघर्ष करने के लिए तैयार होंगे। अधिवेशन में समग्र विकास की परिकल्पना के खाते से सामुदायिक निर्माण और हिंदुस्तान की गंगा–जमुनी तहजीब की रक्षा की चुनौती भी सामने है, जिस पर विचार–विमर्श इस ताकत में होगा और समग्र रूप से एलआईसी और देश आगे बढ़ेगा, खुशहाली होगी , किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले और आम जनता के हितधारकों के शेयर बाजार, उनमें से निश्चित रूप से अपने सहयोगियों को तैयार करने के लिए रणनीति पर चर्चा और निर्णय लेने का काम किया जाएगा। प्रेस वार्ता में अनिल कुमार सिंह राकेश कनौजिया रवि शंकर चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

डायरिया से पीड़ित तीन और मरीज सीएचसी में भर्ती

संवाददाता–गोण्डा। उल्टी–दस्त से पीड़ित तीन और मरीज शुक्रवार को सीएचसी इटियाथोक में भर्ती कराए गए। सभी का इलाज चल रहा है। सीएचसी इटियाथोक में भर्ती हुए तीनों मरीज मधईजोत के चंद्रशेखर तिवारी के घर के ही हैं। उनके परिवार के तीन मासूमें चंचल, पल्लवी और गुल्लू की चंद रोज पहले डायरिया से मौत हो गई थी। एक सप्ताह पूर्व विशुनपुर संगम के मजरा मधईजोत के रहने वाले चंद्रशेखर तिवारी के यहां डायरिया के प्रकोप से तीन मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है। उनके परिवार के आठ लोगों को उल्टी दस्त की शिकायत पर सीएचसी इटियाथोक में भर्ती कराया गया था। हालत सामान्य होने के बाद सभी घर भेज दिया गया था। शुक्रवार की सुबह चंद्रशेखर तिवारी के परिवार की बहू पम्मी (25) पत्नी महेश तिवारी, माता निर्मला (70) और पूजा (30) पत्नी विनय कुमार केवटनपुरवा सदाशिव को उल्टी–दस्त की शिकायत होने पर सीएचसी में भर्ती कराया गा। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुनील कुमार पासवान ने बताया कि तीनों मरीजों की हालत स्थिर है और इलाज किया जा रहा है।

बधईजोत में डायरिया से पीड़ित एक ही परिवार के तीन मासूम के बच्चों की मौत के बाद सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने पीड़ित परिवार के घर के पानी और मल की जांच के लिए टीम भेजी है। टीम में मलेरिया इंस्पेक्टर डॉ. पुष्पेन्द्र मिश्रा, बीपीएम एसपी द्विवेदी ने मधईजोत पहुंचकर चंद्रशेखर तिवारी, विश्वनाथ तिवारी, मनोज कुमार तिवारी और सुनील कुमार तिवारी के घर के हैंडपम्प के पानी का सैम्पल लेकर जांच के लिए लखनऊ भेजा है। टीम ने पीड़ित परिवार के आसपास के कई घरों के परिवार के मल की भी जांच की जो सामान्य निकली। जांच टीम के एसपी द्विवेदी ने बताया पानी की सैंपलिंग को लेकर जांच के लिए लखनऊ भेजा गया हैं।

महंत अवैद्यनाथ को अयोध्या धाम में गीता भवन में दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या धाम मे गोरक्षापीठाधीश्वर साकेत वासी महंत अवेद्यनाथ की दसवीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अयोध्या धाम के विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियो के साथ–साथ संत महंत एवं विशिष्ट जनों द्वारा गीता भवन अयोध्या धाम में वह लोग वासी महंत बैद्यनाथ जी की दशमी पुण्यतिथि पर फूल माला चढ़ाकर पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर गौरक्षा प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण दुबे विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष उपेंद्र सिंह मंडल प्रभारी अमित सिंह रितेश मिश्रा रीना सिंह मीना सिंह,उमेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे है।

संगठन के लोगों ने घोषणा किया कि आगामी 13 सितंबर को वृक्षारोपण 14 सितंबर को गौ सेवा 15 सितंबर को दीन दुखियों की सेवा 16 सितंबर को साधु संतों का सम्मान 17 सितंबर को संगोष्ठी एवं समरसता भोज 18 सितंबर को साकेत महाविद्यालय में मनाया जाएगा और मंदिर में दीपक जलाकर श्रद्धांजलि दी जाएगी। गौ रक्षा पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ के गुरु गोलोक वासी महंत अवैद्यनाथ की पुण्यतिथि मनाने का निर्देश विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी लाल प्रजापति प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश यादव रेखा श्रीवास्तव प्रवीण दुबे आदि पदाधिकारी की प्रेरणा से कार्यक्रम संपन्न होगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए फैजाबाद अयोध्या के विश्व हिंदू महासंघ के राम प्रकाश त्रिपाठी जिला अध्यक्ष उपेंद्र सिंह दीपक भट्ट अजय सिंह रमेश भारती संतोष रावत रितेश मिश्रा आकाश यादव नीरज पाठक पल्लवी वर्मा एकता भटनागर आदि मैं कार्यक्रम को सफल बनाने की कमर कस ली है।

'मृतक' महिला ने मांगी पेंशन तो विभाग में मचा हड़कंप, डीएम ने तुरंत लिया एक्शन, दो अफसरों को किया सस्पेंड

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला पेंशन मांगने पहुंच गई। महिला को फाइलों में मृत दिखाया गया था, लेकिन महिला जिंदा थी। महिला खुद को जिंदा साबित करने के लिए दर–दर भटक रही थी, लेकिन बेपरवाह अफसर उसकी एक न सुन रहे थे। इसके बाद महिला जनता दर्शन में खुद को जिंदा साबित करने के लिए पहुंच गई। जनता दर्शन में डीएम मौजूद थे। बुजुर्ग महिला ने पूरी बात बताई तो डीएम भी दंग रह गए। डीएम ने वृद्धावस्था पेंशन की लाभार्थी को मृतक के रूप में अभिलेखों में अंकित करने पर सेक्रेटरी और सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई के लिए निदेशालय को लेटर लिख दिया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि सेक्रेटरी के निलंबन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई चल रही है। गुरुवार को जनता दर्शन के दौरान शिकायतकर्ता केवला देवी पत्नी स्वर्गीय जोखूराम ग्राम पतौना विकास खण्ड कटेहरी ने जिलाधिकारी के समक्ष पहुंची थी। केवला देवी के वृद्धावस्था पेंशन को मृतक दिखाकर काटे जाने संबंधी शिकायती को जिलाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला समाज कल्याण अधिकारी को जांच अधिकारी नामित करते हुए प्रकरण के त्वरित जांच करने के निर्देश दिया। जांच अधिकारी ने अवगत कराया कि केवला देवी पत्नी स्वर्गीय जोखूराम के वृद्धावस्था पेंशन रजिस्ट्रेशन संख्या 31781026674 का वित्तीय वर्ष 2022–23 में वृद्धावस्था पेंशन सत्यापन सूची में विकास खण्ड कटेहरी के ग्राम मीरपुर मंशापुर से प्राप्त वृद्धावस्था पेंशन सत्यापन आख्या में मृतक अंकित किया गया है। जिसके आधार पर इनकी पेंशन जनपद स्तर से रोक दी गयी। ग्राम विकास अधिकारी (समाज कल्याण) विकासखण्ड कटेहरी से प्राप्त आख्या के अनुसार (तत्कालीन तथा वर्तमान) ग्राम पंचायत अधिकारी सरिता शुक्ला द्वारा मृतक अंकित किया गया।

गुरुवार को शिकायतकर्ता का वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित डाटा पुनरू बहाल करने हेतु जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा निदेशक समाज कल्याण लखनऊ को पत्र भेजा गया है। लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने डीपीआरओ को तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ तत्काल निलंबन की कार्रवाई करने व सहायक विकास अधिकारी शिवेश त्रिपाठी (समाज कल्याण) के खिलाफ निलंबन की संस्तुति की कार्यवाही के लिए सक्षम अधिकारी को पत्राचार करते हुए आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीपीआरओ अवनीश श्रीवास्तव ने बताया कि सेक्रेटरी सरिता शुक्ला के निलंबन के संबंध में कार्रवाई चल रही है। जिला समाज कल्याण अधिकारी विक्रम कौशल ने बताया कि एडीओ समाज कल्याण के निलंबन के संबंध में पत्र जल्द ही निदेशालय को भेजा जाएगा।

एसपी को हटाने की मांग को लेकर विधायक का धरना चौथे दिन भी जारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ से अपना दल एस के विधायक विनय वर्मा का धरना चौथे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। वह एसपी प्राची सिंह को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक शासन एसपी को नहीं हटा देता है धरना जारी रहेगा। एसपी प्राची सिंह पर तमाम गंभीर आरोपों के बीच थाना मंगलवार शाम से शहर की नगर पालिका के सामने गांधी प्रतिमा के समक्ष धरना पर बैठे विधायक का धरना चौथे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। उनका कहना है कि एसपी और पुलिस प्रशासन भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। जनप्रतिनिधियों की सुनवाई नहीं हो रही है तो आम लोगों की क्या होगी। कहा कि मैंने समस्याओं से सभी को अवगत करा दिया है। उनके सारे आरोप सही हैं। कहा कि कार्रवाई की मांग करने पर सब एक दूसरे पर टालते रहे। उन्होंने कहा कि अधिकारी मुख्यमंत्री को गुमराह कर रहे हैं। कहा कि उन्होंने धरना का फैसला जनता की दिक्कतों को देख कर लिया है।

सर्विस बुक अपडेट करने के लिए शिक्षकों ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के निर्देश पर सर्विस बुक अपडेट किए जाने को लेकर शुक्रवार को हरैया ब्लाक अध्यक्ष रामसागर वर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों ने बीईओ विजय आनन्द को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों को कहना है कि 23 जुलाई 2012 के शासनादेश के क्रम में हर वर्ष जुलाई माह में शिक्षकों की समस्त प्रविष्टियां उनके सर्विस बुक पर अंकन किए जाने का निर्देश शासन द्वारा प्राप्त है। उसके बावजूद भी सभी शिक्षकों की सर्विस बुक अपूर्ण है। जिसके फलस्वरुप चयन वेतनमान आदि लगाने के समय शिक्षकों को समस्याओं का सामना करना

पड़ता है। मंत्री राम प्यारे कनौजिया, जिला संगठन मंत्री विवेक कान्त पाण्डेय सहित शिक्षकों का कहना है कि यदि जल्द ही गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही और सर्विस बुक अपडेट नहीं की गई तो जिले स्तर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन के साथ ही नवागत बीईओ के कार्यभार ग्रहण करने पर बुके देकर और माल्यार्पण करके स्वागत भी किया गया। बीईओ विजय आनंद ने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराने का भरोसा दिलाया। कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव होती है। इसलिए सभी शिक्षक मनोयोग से बच्चों को पढ़ाने पर जोर दें। इस अवसर पर गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, सत्यराम वर्मा, संजीव सिंह, अतुल पाण्डेय, यशोदा नन्दन ओझा, चंद्रशेखर ओझा, जीतेंद्र कुमार, रामसहाय, रामनयन वर्मा, हरी सिंह, विवेक कुमार, राकेश कुमार, ऋषि सिंह, सुनील कुमार, दिवाकर सिंह, राजेश कुमार वर्मा, जमुना प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

राम जन्मभूमि मंदिर की सफाईकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म, अलग–अलग होटलों में जाकर की वारदात, आठ गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जिले के रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा से तीन युवकों ने पखवारे भर तक अलग–अलग होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। उसके पांच अन्य दोस्तों ने भी उससे छेड़छाड़ की। छात्रा की तहरीर पर कैंट थाने की पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा ने दर्ज एफआईआर में बताया कि वह एक महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा और राम जन्मभूमि मंदिर में सफाई कर्मी है। वह सहादतगंज निवासी वंश चौधरी नामक युवक को पिछले चार वर्ष से जानती है। 16 अगस्त को वंश चौधरी उसके दोस्त विनय और शारिक घूमाने के बहाने उसे अंगूरी बाग स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गए। वहां तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद वे लोग उसे बनवीरपुर स्थित एक गैराज में लेकर गए, जहां वंश चौधरी ने फिर से दुष्कर्म किया और उसके दोस्त शिवा ने नशे की हालत में उसके साथ छेड़छाड़ की। इस बीच वह आरोपियों के चंगुल में रही और 18 अगस्त की सुबह 11ः00 बजे विनय ने उसे देवकाली बाईपास के पास छोड़ दिया। 22 व 23 अगस्त की रात वंश चौधरी व विनय ने उसी गैराज में उससे दुष्कर्म किया।

25 अगस्त की सुबह चार बजे उदित, वंश चौधरी, सत्यम और दो अज्ञात लोग उसे रामजन्मभूमि ले जाने के बहाने आए और रास्ते में सभी ने छेड़छाड़ की। इस वजह से गाड़ी भी डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वह घायल हो गई तो सभी ने उसे नाका के पास छोड़ दिया। कैंट थानाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है।

अब दो महीने देरी से पूरा होगा राम मंदिर का निर्माण

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर के निर्माण कार्य की समय सीमा दो माह बढ़ा दी गई है। राम मंदिर का निर्माण दिसंबर तक पूरा नहीं हो पाएगा। अब फरवरी के अंत तक ही तीन मंजिला 161 फीट ऊंचा राम मंदिर बनकर तैयार हो पाएगा। साथ ही राम मंदिर समेत अन्य मंदिरों की समय सीमा जून 2025 तय की गई है। मजदूरों की कमी व मौसम की प्रतिकूलता के चलते मंदिर निर्माण की गति प्रभावित हुई है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि राम मंदिर के शिखर का निर्माण अभी होना बाकी है। इसके निर्माण में कम से कम 120 दिन लगेंगे। इसलिए अब राममंदिर दिसंबर तक पूरा नहीं पाएगा। फरवरी के अंत तक शिखर समेत मंदिर के निर्माण का कार्य पूरा होने की संभावना है। बताया कि मंदिर व सप्त मंडपम के निर्माण के बीच पुष्करणी यानी जल निकासी के लिए एक छोटा तालाब बनाने पर भी मंथन चल रहा है। जिसमें भगवान को स्नान के बाद फर्श पर गिरने वाले पानी को इस पुष्करणी में एकत्र किया जाएगा।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राममंदिर परिसर में बनने वाले ऑडिटोरियम, गेस्ट हाउस व ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण की आधारशिला अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में रखी जाएगी। इसके निर्माण में लगभग आठ महीने लगेंगे। सप्त मंडपम के सभी मंदिरों में अभी शिखर व फर्श का काम बाकी है। मूर्ति 15 दिसंबर तक आ जाएगी। उसके बाद उसकी स्थापना होगी। उसी समय निर्णय लिया जाएगा कि किस क्रम में मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। संभवतः महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति सबसे पहले स्थापित की जाएगी।

नृपेंद्र ने बताया कि मंदिर के दूसरे तल पर जो भी लाइटिंग होगी वह मंदिर के वातावरण के अनुसार होगी। जो भी लाइटिंग की जाएगी वह इस प्रकार की हो कि श्रद्धालुओं में श्रद्धा का भाव पैदा करे, ऐसा प्रयास है। लाइटिंग के ट्रायल लिए गए हैं, उसका टेंडर जारी किया जा चुका है। टेंडर में कंपनियां बताएंगी वह किस प्रकार की लाइट मंदिर पर करेंगी। कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कंपनियां लाइटिंग के लिए आ रही हैं। नवंबर के अंत तक टेंडर फाइनल हो जाएगा।

धान खरीद में 1.45 करोड़ का गबन करने वाले दो क्रय केंद्र प्रभारी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। धान खरीद में 1,45,14,765 रुपये का घोटाला करने वाले दो क्रय केंद्र प्रभारियों को शुक्रवार को बांसी कोतवाली, एसओजी व सर्विलांस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद फरार चल रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तारी पर दोनों पर 25–25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। एसपी प्राची सिंह ने पुलिस कार्यालय में खुलासा करते हुए बताया कि सहायक विकास अधिकारी प्रदीप कुमार विकास खंड मिठवल ने 10 अगस्त को बांसी कोतवाली में तहरीर दे कर उप्र सहकारी संघ नेउसा विकास खंड मिठवल के क्रय केंद्र प्रभारी अच्युतानन्द मणि त्रिपाठी व शिवानन्द मणि त्रिपाठी क्रय केंद्र प्रभारी उप्र सहकारी संघ जीवा विकास खंड मिठवल के खिलाफ धारा 3/7 ईसी एक्ट व 409 के तहत केस दर्ज कराया था। आरोप है कि अच्युतानन्द मणि त्रिपाठी ने किसानों से10340 कुंतल धान खरीदा था जबकि संबद्ध मिल को 6885.650 कुंतल धान की सप्लाई दी थी। शेष 3454.350 कुंतल धान मिल को प्रेषित नहीं किया था। जिसका शासन द्वारा निर्धारित मूल्य 80,48,635 रुपये है। सहायक विकास अधिकारी द्वारा बार–बार प्रयास करने पर सिर्फ एक लाख रुपये ही जमा किया गया था। शेष 79,48,635 रुपया जमा नहीं किया गया। दूसरे आरोपी शिवानन्द मणि त्रिपाठी ने किसानों से10031 कुंतल धान खरीदा गया था जबकि संबद्ध मिल को 7170 कुंतल ही भेजा था। शेष 2861 कुंतल धान का पता नहीं चल सका था। शासन द्वारा निर्धारित मूल्य 66,66,130 का गबन सामने आया था। उन्होंने ने भी सहायक विकास अधिकारी द्वारा गबन की धनराशि जमा करने के लिए बार–बार कोशिश के बाद एक लाख ही जमा किया था और शेष 65,66,130 रुपया जमा नहीं किया। केस दर्ज होने के बाद दोनों क्रय केंद्र प्रभारी फरार हो गए। पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तारी पर 25–25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। शुक्रवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रभारी निरीक्षक बांसी कोतवाली बिंदेश्वरीमणि त्रिपाठी, शेषनाथ यादव प्रभारी एसओजी, सुरेंद्र सिंह प्रभारी सर्विलांस सेल, एसआई परमहंस, हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ला, दिलीप कुमार, जनार्दन प्रजापति, हिन्दे आजाद, अभिनन्दन कांस्टेबल सत्येंद्र यादव, छविराज यादव, रोहित, वीरेंद्र तिवारी, आशुतोष धर दूबे, विजय यादव, अरविन्द यादव, आशुतोष यादव आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में शामिल रहे।

अश्लील हरकत करने के एक आरोपी को हुआ चार वर्ष का सश्रम कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। अवयस्क किशोरी के साथ अश्लील हरकत करने के एक आरोपी को दोषसिद्ध करार देते हुए अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने चार वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी विनोद कुमार यादव पर विभिन्न धाराओं में कुल सात हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदण्ड की धनराशि जमा होने पर सम्पूर्ण धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता की उम्र 15 वर्ष पांच माह होने के कारण नालसा प्रतिकर स्कीम के अंतर्गत 50 हजार रुपए दिए जाने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने आरोपी को एससीएसटी एक्ट के आरोप में दोषमुक्त करने का फैसला दिया।

विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्युपाल व सत्येन्द्र शुक्ल ने बताया कि प्रकरण जनपद के बखिरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता ने दिनांक 26 दिसम्बर 2016 को थानाध्यक्ष को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि वह अनुसूचित जाति की है । दिनांक 25 दिसम्बर को सांय सात बजे वह अपनी छोटी बहन के साथ शौच के लिए खेत में गई थी। आरोपी विनोद कुमार यादव पुत्र लालजीत यादव निवासी देवकली थाना बखिरा पीछे–पीछे आया। उसको रास्ता देने के लिए वह हट गई। तब तक विनोद कुमार यादव बुरी नीयत से हाथ पकड़कर पटक दिया।

पीड़िता के चिल्लाने पर उसके माता–पिता दौड़कर आए और उसे भागते हुए देखा। पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने अश्लील हरकत करने, पाक्सो एक्ट व एससीएसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक अभिमन्युपाल ने बताया कि अभियोजन की तरफ से सात गवाह तथा बचाव पक्ष की तरफ से दो गवाह प्रस्तुत किए गए। एडीजे व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने पक्षों की बहस सुनने के पश्चात आरोपी को एससीएसटी एक्ट के आरोप में आरोपी को दोषमुक्त करने के साथ पाक्सो एक्ट एवं अश्लील हरकत करने के आरोप में दोष सिद्ध करार दिया।

इंसपायर अवार्ड योजना में पंजीकरण न कराने पर कार्रवाई होगी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा को निखारने में माध्यमिक विद्यालय रोड़ा बनने लगे हैं। इंस्पायर अवार्ड योजना में जिले के 70 विद्यालयों का पंजीकरण न करना इस बात की पुष्टि करता है, जबकि अंतिम तिथि 15 सितंबर है। डीआईओएस ने शिथिलता बरतने पर संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यो समेत नोडल शिक्षक का सितंबर माह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने, साथ ही वित्तविहीन विद्यालयों को बोर्ड परीक्षा में केंद्र न बनाए जाने की चेतावनी दी है। शुक्रवार को जूम मीटिंग के जरिए जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने कहा कि शासन से बाल वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए इंस्पायर अवार्ड मानक योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना में कक्षा छह से 10 तक बच्चे प्रतिभाग करते हैं। योजना में चयनित होने पर शासन की ओर से 10 हजार रुपये की धनराशि दी जाती है ताकि बाल वैज्ञानिक अपने मॉडल तैयार कर प्रदर्शनी में प्रतिभाग कर सकें। यही नहीं बाल वैज्ञानिकों को जिला से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका भी मिलता है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभागी को राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने का गौरव प्राप्त होता है। प्रत्येक विद्यालय को मात्र पांच छात्रों का पंजीकरण कराना है। जिले में 70 माध्यमिक विद्यालय ऐसे हैं जिन्होंने एक भी छात्र का पंजीकरण नहीं कराया है। इंस्पायर अवार्ड योजना के तहत पंजीकरण होने हैं। शिथिलता बरतने पर संबंधित स्कूलों के नोडल टीचर का सितंबर माह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया जाएगा, साथ ही वित्त विहीन विद्यालयों को बोर्ड परीक्षा में केंद्र नहीं बनाए जाएंगे। जिविनि ने स्कूलों का संचालन सुबह 7.30 बजे से न किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। वित्त विहीन विद्यालयों की ओर से घोर लापरवाही बरती जा रही है। यू–डायस कोर्ड को जनरेट करके बच्चों के पेन नंबर अलार्ट कराने, योग्य शिक्षकों से ही पठन–पाठन कराने, विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता कराने, जिस मद में धनराशि ली जा रही, उसका उपयोग उसी निमित्त करने आदि के लिए सभी प्रधानाचार्यो को निर्देशित किया। कहा कि भविष्य में औचक निरीक्षण के समय शिक्षकों की उपस्थिति, समय से स्कूल संचालन, नामांकन के सापेक्ष बच्चों की उपस्थिति, साफ–सफाई, खेलकूद सामग्री का उपयोग, मीड डे मील योजना का क्रियान्वयन आदि बिंदुओं पर विशेष जांच–पड़ताल की जाएगी।

रामचरितमानस, साहित्य महोत्सव सम्पन्न

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ एकेडमी नादेपार चौराहा जिला सिद्धार्थ नगर में सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग एवं दिशा निर्देशन मे आभा विकास संस्थान बस्ती द्वारा आयोजित रामचरितमानस प्रसारण एवं साहित्य महोत्सव का शुभारंभ दिनांक 10 सितंबर से 13 सितंबर 2024 तक किया गया इसमें मुख्य आकर्षण केंद्र श्री रामचरितमानस साहित्य श्री रामचरितमानस बालकांड एवं श्री रामचरितमानस की रचना एवं साहित्य के बारे में बताया गया । इस कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हमारा देश भारत सांस्कृतिक धरती की लोक विधाओं के मामले में धनी माना जाता रहा है यहां पर जितने राज्य है हर जगह कई प्रकार की शास्त्रीय एवं साहित्य महोत्सव होते रहते है लेकिन आधुनिकता की चकाट चौथ के चलते कई जगह विधाएं विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं ऐसे में स्वैच्छिक संस्था आभा विकास संस्थान और भारत सरकार की संस्कृति मंत्रालय सौजन्य से अवधि रघुराई लोकगीतों और लोक नृत्य की मंची प्रस्तुति विभिन्न कलाकारों द्वारा दी गई कलाकारों ने मंच को रामचरितमानस, बाल काण्ड, सुंदर काण्ड आदि को लोकगीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया। आचार्य ओम कार शुक्ल ने बताया कि रामायण हिन्दू रघुवंश के राजा राम की गाथा है। यह संस्कृति का एक अनुपम महाकाव्य स्मृति का वह अंग है जिसे महर्षि वाल्मिकी द्वारा लिखा गया है। लवकुश काण्ड को लोकगीतों और लोक नृत्य से सजाया गया। ऋषि वाल्मीकि प्रमाणित करते हैं की लव कुश राजा श्री राम के ही पुत्र हैं। उत्तर रामायण में लव कुश की कहानी को दर्शाया गया है। जिसमें माँ सीता को श्री राम त्याग देते हैं और माँ सीता महाऋषि वाल्मीकि के आश्रम में जाकर रहने लगती है। इस कार्यक्रम में लोक गायिका संध्या मिश्रा तथा आचार्य विशाल तिवारी ने अपने लोक नृत्य गीतों से कुछ ऐसा समा बाधा की लोग वाह वाह कर उठे, सामाजिक कार्यकर्ता मिथुन्न यादव ने कहा कि ऐसे मानव आयोजन से लोक मानस का चित्र बदलता है ।

मैं त्याग पत्र देने को तैयार– ममता बनर्जी

कोलकाता (आभा)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में पिछले महीने ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों से राज्य सरकार की बातचीत आज भी नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हड़ताली डॉक्टरों से बातचीत करने के लिए दो घंटे तक इंतजार करती रहीं लेकिन डॉक्टर बातचीत करने नहीं आए। इस गतिरोध पर ममता बनर्जी ने कहा है कि वह लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हूं। आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर की हत्या मामले में मैं भी न्याय चाहती हूं।' उन्होंने कहा, "मैं बंगाल के लोगों से माफी मांगती हूं, जिन्हें उम्मीद थी कि आज आरजी कर मामले में गतिरोध खत्म हो जाएगा।" इससे पहले हड़ताली डॉक्टरों ने बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग करने से इनकार कर दिया। दो दिन पहले हड़ताली डॉक्टरों ने मुख्य सचिव से बात करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री से बातचीत करने की मांग की थी। उस दिन भी मुख्यमंत्री राज्य सचिवालय में मुख्य सचिव के साथ करीब ढाई घंटे तक इंतजार करती रह गई थीं लेकिन डॉक्टरों ने मुख्य सचिव के मेल का जवाब तक नहीं दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए आज भी दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि आरजी कर मामले में गतिरोध को समाप्त करने के लिए उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से बातचीत करने की तीन बार कोशिश की। सीएम ने कहा, "हमारे पास जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था थी, हम उच्चतम न्यायालय की अनुमति से इसे उनके साथ साझा कर सकते थे लेकिन चूंकि आरजी कर मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए जूनियर डॉक्टरों की मांग के अनुसार उनके साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता है।"

निःशुल्क मेगा कैम्प में हृदयरोग के 80 मरीजों का उपचार

संवाददाता–बस्ती। श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में गुरुवार को फ्री मेगा कार्डियोलॉजी कैम्प का आयोजन किया गया । कुल 80 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया गया।

श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के चेयरमैन बसंत चौधरी ने बताया कि टेण्डर पाम हास्पिटल लखनऊ के वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ डा. मोहित मोहन सिंह ने अपने चिकित्सकीय टीम के साथ मरीजों का परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया। माह के प्रत्येक मंगलवार को ओ.पी.डी. की सेवायें मरीजों को मिलेगी। बताया कि हॉस्पिटल में इलाज के लिये अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। पूर्वान्चल के दूर दराज के मरीज श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में बेहतर उपचार पा रहे हैं। आयुष्मान कार्ड के साथ ही केन्द्र और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य से सम्बंधित सभी सुविधायें मरीजों को उपलब्ध हैं। बीमित मरीजों के इलाज की भी पूरी व्यवस्था है। कार्डियोलॉजी कैम्प के साथ ही भविष्य में प्रयास होगा कि ऐसे शिविरों की संख्या बढायी जाय जिससे सम्बंधित रोगों के मरीजों को जांच, परीक्षण के साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा एक ही स्थान पर श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में मिलती रहे।

नवाचार मेले में शिक्षकों ने लगाई प्रदर्शनी

संवाददाता–बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को बेस्ट प्रेक्टिसेस, नॉलेज शेयरिंग, टीएलएम निर्माण एवं नवाचार मेला के द्वितीय दिवस का आयोजन किया गया। दूसरे दिन नवाचार मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि सह जिला विद्यालय निरीक्षक विकास श्रीवास्तव तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। डायट के स्टाफ द्वारा अतिथियों का बुके और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। नवाचार मेले में बेसिक के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर, माध यमिक स्तर के शिक्षकों एवं डायट प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। प्रतिभागियों द्वारा भाषा, गणित व विज्ञान विषय से संबंधित बेस्ट प्रेक्टिसेस का प्रस्तुतिकरण एवं नवाचारी टीएलएम की प्रदर्शनी लगाई गई। विकास श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में बताया गया है कि व्यावसायिक शिक्षण सीखने के केंद्र बिंदु में है। वर्तमान में विद्यालयों का शैक्षिक माहौल बदल रहा है जो शैक्षिक प्रदर्शन में सार्थक संदेश प्रेषित कर रहा है। बीएसए ने कहा कि विभिन्न विकासखण्डों द्वारा बेस्ट प्रेक्टिसेज, नॉलेज शेयरिंग, शिक्षण अधिगम सामग्री और नवाचार मेला में हम इस कार्यशाला में एक दूसरे से सीखने का प्रयास करें और अपने विद्यालयों में इसे लागू करें। टीएलएम के प्रयोग से शिक्षण रोचक बनाया जा सकता है। हमें आईसीटी का समावेश अपने शिक्षण विधाओं में करना चाहिए। कार्यशाला के नोडल डॉ गोविंद प्रसाद ने कहा कि टीएलएम के माध्यम से शिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाया जा सकता है।

कार्यशाला एवं नवाचारी मेला में डॉ रविनाथ, अलीउद्दीन खान, शशि दर्शन त्रिपाठी, मो. इमरान खान, कुलदीप चौधरी, कल्याण पाण्डेय, अमन सेन, कुलदीप चौधरी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, आशीष श्रीवास्तव, सत्या पाण्डेय सहित बडी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

डीएम ने किया गौशाला का निरीक्षण

संवाददाता–बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने गौशाला सिरसहवा, विकास खण्ड परसरामपुर का निरीक्षण किया। गौशाला के निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी परसरामपुर विनोद कुमार सिंह, पशुचिकित्सा अधिकारी परसरामपुर डॉ. अमित श्रीवास्तव, ग्राम सचिव सहित कुछ ग्रामवासी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय गौशाला की साफ–सफाई संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के समय गौशाला में 56 गोवंश संरक्षित पाए गए। पशु–गणना रजिस्टर संरक्षित पाया गया। निर्देशित किया गया कि पशु गणना रजिस्टर में प्रत्येक दिवस की इण्ट्री अवश्य की जाय। संरक्षित सभी गोवंश स्वस्थ प्रतीत हुए। यह अच्छी बात रही कि इस गौशाला के चारों तरफ बाउण्ड्रीवाल का निर्माण हुआ है, जिससे संरक्षित होने वाले गोवंश बाउण्ड्रीवाल के अन्दर ही रहते हैं।

खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि अब तक विकासखण्ड की कुल 7 गौशालाओं (01 वृहद तथा 06 अस्थायी) में विभिन्न योजनाओं से समन्वय करके वृहद गौशाला उदवतपुर में क्षेत्र पंचायत द्वारा तथा 3 अस्थायी गौशालाओं में ग्राम पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं द्वारा बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया जा चुका है। शेष 3 गौशालाओं में इसी वित्तीय वर्ष में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरू ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ को पुण्यतिथि पर किया नमन

संवाददाता–बस्ती । विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा गुरुवार को गोरक्षपीठाध ीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूज्य गुरुदेव राष्ट्र संत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के पुण्यतिथि के निमित्त जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में संगोष्ठी एवं सहभोज का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये राजमाता श्रीमती आसमा सिंह ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ श्री रामजन्म भूमि के प्राण थे। सबको साथ लेकर चलने की उनमें विलक्षण प्रतिभा थी। उसी के परिणाम स्वरूप श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के साथ सभी संप्रदायों, दार्शनिक परम्पराओं के संत जुड़ते चले गए और लक्ष्य पूर्ण हुआ। गोरखनाथ मंदिर की वर्तमान भव्यता, शानदार वास्तुशिल्प महंत अवेद्यनाथ की ही देन है। उन्होने अस्पताल, स्कूलों की स्थापना कर लोकमंगल की भूमिका को नई दिशा दिया, उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

मुख्य वक्ता महासंघ के प्रदेश मंत्री दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि अपने समय में महंत अवेद्यनाथ ने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरक्षपीठ की शैक्षिक और सांस्कृतिक परंपरा को समृद्ध किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और लोककल्याण को सर्वोपरि माना। उनका योगदान हम सबको सदैव प्रेरणा देगा। गोष्ठी को चंद्रशेखर कमलापुरी, कुलदीप मिश्रा , महंत गिरिजेश दास, अखिलेश मिश्रा आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि हिन्दू समाज की एकता, परस्पर समन्वय से प्रगति ही महंत अवेद्यनाथ को सच्ची श्रद्धांजलि है।

महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महन्थ अवेद्यनाथ जी ने हिन्दू धर्म की आध्यात्मिक साधना के साथ 'सामाजिक हिन्दू' साधना को भी आगे बढाया और सामाजिक जनजागरण को अधिक महत्वपूर्ण मानकर हिन्दू धर्म के सोशल इंजीनियरिंग पर बल दिया । बहुसंख्यक समाज को जोड़ने के लिए सहभोजों के क्रम में महंत अवेद्यनाथ ने बनारस में संतों के साथ डोमराजा के घर सहभोज कर उदाहरण प्रस्तुत किया। 12 सितम्बर 2014 को महन्थ अवेद्यनाथ ब्रम्हलीन हो गये। उनके सपनों, संकल्पों को पूरा करने का दायित्व हम सबको है।

गोष्ठी और सहभोज में मुख्य रूप से विजय शंकर शुक्ला, अमरजीत सिंह, राजकुमार, मंटू चौधरी, मुन्ना सिंह, बालकृष्ण सिंह, राकेश सिंह, विपिन सिंह, जय सिंह, डब्लू सिंह, राणा जगत मोहन सिंह, बिक्कू रूप नारायण गौड़, अंकित सिंह, राहुल श्रीवास्तव, मोहंती गुप्ता, किशन गुप्ता, अमरदीप श्रीवास्तव, अजय मिश्रा, विवेक सिंह, अभिजीत सिंह, राजेश सिंह, अतुल पांडेय, राजू दुबे, आशीष तिवारी, शिवम तिवारी, उदय पाण्डेय, बालकृष्ण सिंह, पूनम सिंह, अनुसूया पाण्डेय ,रोशनी यादव, चांदनी त्रिपाठी ,सरिता राज सहित विश्व हिन्दू महासंघ के सैकड़ो पदाधि ाकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बौद्ध तपोस्थली के विनियमित क्षेत्र में अतिक्रमण कर बनी मजार, हिंदू संगठनों ने जताया विरोध

संवाददाता–श्रावस्ती। बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती के विनियमित क्षेत्र में स्थित मजार व वक्फ बोर्ड की भूमि को लेकर एक बार पुनरू मामला तूल पकड़ने लगा है। बृहस्पतिवार को हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओ ने इकौना तहसील में प्रदर्शन कर एसडीएम व श्रावस्ती विधायक को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसके बाद एसडीएम व विधायक ने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान मजार कमेटी की ओर से कोई भी अभिलेख प्रस्तुत न करने पर एसडीएम ने कार्रवाई करने की बात कही। एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में इकौना के मोहल्ला आजाद नगर निवासी कन्हैया लाल कसौधन ने कहा है कि बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती विनियमित क्षेत्र है। यहां राजगढ़ गुलहरिया का गाटा संख्या 1392 रकबा 1.509 हेक्टेअर भूमि सहेट महेट के नाम महफूज है। यह पुरातत्व विभाग द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण के अंतर्गत आता है। जिसकी 200 मीटर परिधि में बगैर अनुमति कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। इसी संरक्षित भूमि के कुछ भाग पर एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा सुनियोजित तरीके से कथित मीर शाह मजार बनाकर अवैध कब्जा कर लिया गया है। साथ ही सर्वेक्षण के चिह्नित भूमि पर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ मकान नंबर 02 इंतेजामिया कमेटी दरगाह हजरत सैयद मीर शाह का बोर्ड लगा दिया है। 30 जून को इसकी शिकायत पर एसडीएम इकौना के निर्देश पर जांच कर अतिक्रमण हटवा कर पांच दिन में रिपोर्ट देने की बात कही गई थी। लेकिन पुरातत्व विभाग ने अस्थाई तौर पर बोर्ड को झुकाकर फौरी कार्रवाई कर दिया जिस पर मजार संचालन करने वाले लोगों द्वारा पुनः कब्जा कर लिया गया है जिसे हटवाने की मांग की गई है। हिंदू संगठनों की ओर से दिए गए ज्ञापन के बाद एसडीएम इकौना ओम प्रकाश, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय, सीओ सतीश शर्मा व थानाध्यक्ष कटरा गणनाथ प्रसाद ने मौका मुआयना किया। जहां न सिर्फ बृहस्पतिवार को मेला लगा मिला बल्कि पेड़ के नीचे कई चबूतरा व करीब पांच बीघा भूमि पर कब्जा मिला। इतना ही नहीं मजार में स्थाई पक्का निर्माण भी मिला। इस पर एसडीएम ने वहां मौजूद चक्रभंडार के पूर्व प्रधान मुस्ताक से जानकारी मांगी तो उन्होंने बताया कि मजार के नाम पर पुरातत्व विभाग से 120 वर्ष का पट्टा है। कागज मांगने पर वहां मौजूद लोग बगल झांकने लगे। श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडेय का कहना है कि यह भूमि पुरातत्व विभाग की है। जिस पर अतिक्रमण किया गया है। इसे खाली करवा कर पुरातत्व विभाग को सौंपा जाएगा। इकौना एसडीएम ओम प्रकाश का कहना है कि मजार व बाउंड्रीवाल सहित वक्फ बोर्ड से संबंधित कागजात मांगा गया है। यदि इसे प्रस्तुत न किया गया तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ढोल–नगाड़ों के बीच विदा किए गए विघ्न विनाशक सिसवा के महाराज

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा कस्बे में गुरुवार को आकर्षक झांकियों, गाजे–बाजे, ढ़ोल–ताशों के साथ भक्ति भाव के बीच गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की शोभा यात्रा निकाली गई। नगर में स्थापित लगभग एक दर्जन गणेश प्रतिमाओं को श्रद्धालुओं ने डांडिया नृत्य के साथ विदा करते हुए देर रात तक नारायणी नदी के खेखडा घाट पर विसर्जित किया। कस्बे के इस्टेट चौक, हनुमान गढ़ी, सब्जी मंडी, गोपाल नगर, श्रीरामजानकी मंदिर तिराहा, फलमंडी, सब्जी मंडी, रेलवे स्टेशन रोड, अमरपुरवा तिराहा, गजरू टोला सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित गणेश प्रतिमाएं अपराह्न तीन बजे से इस्टेट हाते में एकत्र हुईं। प्रशासन द्वारा समितियों को दिए गए क्रमबद्ध नंबरों के अनुसार सिसवा के महाराज के रूप में गणपति की शोभाध्पालकी यात्रा के साथ डोल जुलूस नगर में निकाला गया। जुलूस में विभिन्न समितियों की महिलाओं, युवतियों द्वारा प्रस्तुत डांडिया नृत्य सभी का मन मोह रहे थे। साथ ही समितियों के युवा डीजे की धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रीरामजानकी मंदिर रोड, अमरपुरवा, गोपालनगर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन रोड, फलमंडी, सायर स्थान रोड, मस्जिदिया ढ़ाला होते हुए खेखड़ा घाट पर पहुंचा, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एसडीएम निचलौल, सीओ अनुज सिंह, थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह, चौकी इंचार्ज बृजभान यादव सहित जिले के लगभग आधा दर्जन थानों की फोर्स के साथ महिला थाना व पीएसी के जवान तैनात रहे। विसर्जन शोभायात्रा में हिन्दू कल्याण मंच व हनुमान गढ़ी द्वारा निकाली गई सिसवा के महाराज की शोभायात्रा में बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत डांडिया नृत्य श्रद्धालुओं को बरबस खींच रहे थे। दोनों समितियों के ढोल नगाड़ों व डांडिया नृत्य की लोगों ने जमकर सराहना की। शोभा यात्रा में कृष्णमुरारी सिंह, रवि यादव, रविराज जायसवाल, सोनू जायसवाल, प्रमोद मद्धेशिया सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

मनाया गया उदासीन संप्रदाय के संस्थापक श्री चंद्र भगवान का प्रकाशोत्सव

संवाददाता–अयोध्या। उदासीन संप्रदाय के संस्थापक भगवान श्री चंद्र जी का पूरा जीवन सनातन धर्म के प्रचार व प्रसार में समर्पित रहा। उनके द्वारा उदासीन आश्रमों का शिलान्यास करके सनातन धर्म को नई गति देने का प्रयास किया गया। अयोध्या में स्थापित संगत ऋषि उदासीन आश्रम जो कि सनातन धर्म की धरोहर हैं। यहां पर सनातन परंपरा को प्रफुल्लित, धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन, गुरुकुल प्रथा को जीवित रखने व समाज की सेवा के कार्य किए जा रहे है। 12 सितंबर गुरुवार को भगवान श्री चंद्र जी का 530वां जयंती महोत्सव मनाया गया।महंत डॉ भरत दास जी महाराज ने बताया कि उदासीनाचार्य भगवान श्री चंद्र जी महाराज का जन्म प्रादुर्भाव भाद्रपद शुक्ल नवमी विक्रम संवत 1551 में माता सुलक्ष्णा के गर्भ से गुरु नानक जी के पुत्र के रूप में जन्म लिया था।।श्री चंद्र जी महाराज आत्मनिष्ठ दृढ़ सकंप्ल योग साधाना व पारदर्शिता के धनी थे। भगवान श्री चंद्र महाराज ने जन कल्याणार्थ अनेक रचनाएं की हैं। श्री भरत दास जी महाराज ने बताया की अयोध्या में श्री चंद्र भगवान की ही प्रेरणा से पूरा आश्रम पुष्पित पल्लवित हो रहा है और आज उनकी 530 वी जयंती उत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्री चंद्र भगवान की प्रतिमा का अभिषेक किया गया नवीन वस्त्र धारण कराया गया आरती पूजन किया गया और विविध प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भारत की सुरक्षा के लिए और सनातन धर्म को और मजबूत करने के लिए श्री चंद्र भगवान के पद चिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। आश्रम में पधारे हुए संतों महंतों का स्वागत सत्कार, उदासीन आश्रम के प्रबंधक स्वामी माधवानंद महाराज ने महंत डॉ भरत दास महाराज के निर्देशन में किया। इस अवसर पर जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, दिगंबर अखाड़ा के महंत सहित सैकड़ो संतों महंतों ने महाराज जी के व्यक्तित्व पर अपने भाव रूपी पुष्प अर्पित किए।

रात भर चली छापेमारी, ढाई करोड़ का रक्त चंदन बरामद

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल बॉर्डर सोनौली से कस्टम की टीम ने बुधवार की शाम नेपाली ट्रक से रक्त चंदन की बरामदगी के बाद पूरी रात छापेमारी की। ट्रक के अंदर कैविटी से डेढ़ टन रक्त चंदन बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसी के जिम्मेदारों के माथे पर बल आ गए। फिर पूरी रात एक गोदाम में छापेमारी की गई तो रक्त चंदन की खेप ढाई टन तक पहुंच गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत ढाई करोड़ बताई जा रही है। कस्टम उपायुक्त वैभव सिंह ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में इस बरामदगी का खुलासा किया। बताया कि टीम को देर शाम नौतनवा बाईपास के एक गोदाम से चंदन की लकड़ी ट्रक में लोड किए जाने की जानकारी मिली। इसके बाद कस्टम विभाग ने बंद पड़े उक्त गोदाम में छापेमारी की तो वहां पर छिपाकर रखा गया करीब एक टन रक्त चंदन की लकड़ी बरामद हुई। वहीं ट्रक से डेढ़ टन चंदन की बरामदगी हुई। नेपाली ट्रक में नौतनवा के बाईपास स्थित एक गोदाम से ट्रक में बने कैबिटी में छिपाकर चंदन के बोटे रखे गए थे। बंद बॉडी के नेपाली ट्रक कुछ भी सामान लोड किये बिना नेपाल सीमा में प्रवेश करने वाला था कि सूचना के आधार पर कस्टम ने उसे रोक लिया। बाहर से कुछ नजर न आने पर अधिकारियों ने ट्रक के अंदर बने कैविटी को गैस कटर से कटवाए तो उसमें बड़े पैमाने पर रखी चंदन की लकड़ी देख सभी दंग रह गए। यहां से ट्रक को नौतनवा कस्टम कार्यालय लाया गया और पूरी टीम जांच में जुट गई।

कस्टम उपायुक्त वैभव सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों ने नौतनवा बाईपास स्थित एक गोदाम में छापेमारी शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान देर रात उक्त गोदाम से कस्टम के अधिकारियों ने छिपाकर रखा रक्त चंदन बरामद कर लिया। कस्टम के अधिकारी अब इस बात की जानकारी करने में जुट गए हैं कि इतने बड़े पैमाने पर दूसरे राज्य से आने वाली चंदन की बेसकीमती लकड़ी नौतनवा कैसे पहुंच रही है? फिलहाल गोदाम संचालक के फरार होने से इन सवालों का जवाब कस्टम को अभी नहीं मिल सका है।

ट्रक में डेढ़ टन रक्त चंदन ही छिपाया जा सका था। शेष एक टन गोदाम में ही छोड़ दिया गया था, जिसे दूसरी खेप में पार कराने की योजना थी। नेपाली ट्रक नेपाल सीमा में दाखिल हो पाता उससे पहले ही कस्टम के अधिकारियों ने ट्रक को तो कब्जे में ले लिया, लेकिन सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर ट्रक चालक फरार हो गया। इसको लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

खनवापुर के कंपोजिट विद्यालय और बलहीजोत के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चे और शिक्षक परेशान

संवाददाता–गोण्डा। ब्लॉक क्षेत्र के दो परिषदीय विद्यालयों में करीब दो माह से जलभराव होने से बच्चों और शिक्षकों को दुश्वारी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के खनवापुर स्थित स्कूल के बच्चे पंचायत भवन में पढ़ रहे हैं। इससे ग्राम पंचायत के कामकाज पर असर पड़ रहा है। वहीं, बलहीजोत के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों को करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित प्राथमिक विद्यालय जाना पड़ता है। अभिभावकों ने विद्यालय परिसर से जल निकासी के साथ स्कूल जाने के लिए मार्ग ठीक करने की मांग जिले के आला–अफसरों से की है। विकासखंड रुपईडीह के ग्राम पंचायत खनवापुर में कंपोजिट विद्यालय तालाब के बगल बना है। थोड़ी सी बरसात होती ही विद्यालय परिसर के साथ आसपास जलभराव हो जाता है। इससे छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को विद्यालय आने–जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपोजिट विद्यालय में 206 बच्चे नामांकित है। स्कूल में प्रधानाध्यापक सुशील कुमार पाठक, सहायक अध्यापक प्रेम नारायण मिश्रा, सीमा सिंह, सुरभि द्विवेदी, सुदीप यादव, विपिन कुमार सहित छह शिक्षकों की तैनाती है। करीब दो माह पहले हुई तेज बारिश के चलते कंपोजिट विद्यालय खनवापुर परिसर व आसपास जलभराव हो गया था।

शिक्षकों ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को देते हुए विद्यालय बंद कर दिया तथा बच्चों को पंचायत भवन में पढ़ाना शुरू कर दिया। पंचायत भवन में जगह कम होने के चलते बच्चों को बैठकर पढ़ने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। वहीं ग्राम पंचायत का कामकाज भी बाधित हो रहा है। ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर नकल, आय, जाति, निवास, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। इसी प्रकार बलहीजोत ग्रामपंचायत के कहारनपुरवा में बने पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बगल भी तालाब है। यहां भी विद्यालय परिसर में करीब दो माह से पानी भरा है। इसके चलते बच्चों को ग्राम पंचायत के अब्दुलपुरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। दो कक्ष वाले प्राथमिक स्कूल में कुल 82 बच्चे नामांकित हैं। स्कूल में तीन शिक्षक और दो शिक्षामित्र कार्यरत है। कहारनपुरवा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 42 बच्चे भी दो माह से यहीं पढ़ रहे हैं। सिर्फ दो कक्ष होने की वजह से सभी बच्चों को बैठाकर पढ़ाने में दुश्वारी हो रही है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय में किसी तरह से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों से लेकर खंड विकास अधिकारी को दी गई लेकिन समस्या का कोई हल नहीं निकला। उधर, एडीओ पंचायत महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी करके इसका हल निकाला जाएगा। मनीष कुमार सिंह, खंड शिक्षाधिकारी ने कहा कि कंपोजिट विद्यालय खनवापुर एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय बलहीजोत का भवन तालाब के पास बना होने के चलते बरसात में जलस्तर बढ़ जाता है। इससे दोनों विद्यालयों में पानी भर जाता है। इसलिए इन विद्यालयों को गांव के पंचायत भवन में संचालित किया जा रहा है।

बखिरा में बनेगा 'टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर', झील किनारे खाने–ठहरने की होगी सुविधा –डीएम

संवाददाता–संतकबीरनगर। बखिरा झील में पर्यटकों को लुभाने के लिए पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण हो रहा है। इस पर कुल 80 लाख रुपये खर्च होंगे। यहां पर्यटकों को ठहरने, खाने–पीने और अन्य सुविधाएं उपलब्ध ा होंगी। डीएम ने कार्यदायी संस्था को तीन माह में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

बखिरा झील को पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर सोलर पैनल लगाने का कार्य हो रहा है। साथ ही सड़क का भी निर्माण हुआ है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने झील को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कई योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। जिनमें क्रेन रिजर्व वाटर बाडी, पाथ–वे, लाइब्रेरी, रिजॉर्ट, इंफार्मेशन सेंटर समेत अन्य कार्य होने हैं। इसके अलावा झील की सफाई के साथ ही वोटिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। कुल 300 करोड़ का प्रस्ताव डीएम ने पर्यटन मंत्रालय को भेजा है। उसकी स्वीकृति का इंतजार हो रहा है। इधर डीएम की पहल पर यूपी नेडा झील के पास सोलर पैनल लगा रही है ताकि झील के किनारे लाइट की सुविधा उपलब्ध हो सके। टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के निर्माण के लिए डीएम ने अपने स्तर से पहल कर 80 लाख रुपये जारी कराया है। इससे भवन का निर्माण शुरू हो गया है। इस भवन के बनने से यहां पर पर्यटकों को रहने और खाने आदि की सुविधा मिलेगी। साथ ही इस सेंटर में दुकान का निर्माण होगा। इससे सरकार की आय भी बढ़ेगी। सेंटर का निर्माण शुरू हो गया है। इसे तीन माह में पूरा करने के निर्देश डीएम ने दिए हैं।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निर्माण शुरू हो गया है। इसे जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। अन्य कार्यों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। वहां से जैसे ही मंजूरी मिलती है तो उस पर भी कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

2025 की पहली तिमाही में राम मंदिर का पहला और दूसरा तल बन जाएगा –नृपेंद्र मिश्र

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक बृहस्पतिवार से शुरू हुई। बैठक में शामिल होने के पहले राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में बताते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा से मंदिर निर्माण का काम दो माह पीछे चल रहा है फिर भी वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मंदिर का पहला और दूसरा तल बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि राम दरबार की मूर्ति का लेआउट फाइनल हो गया है। मूर्ति निर्माण की प्रक्रिया को देख रहे वासुदेव कामत ने मूर्ति के क्ले को फाइनल कर दिया है।

पत्थर पर जो कार्य किया जाना है, वह नवंबर तक पूरा हो जाएगा। अभी हमारे लिए शिखर निर्माण सबसे बड़ी चुनौती है। मंदिर निर्माण की सभी कार्यदायी एजेंसियों की उपस्थिति में शिखर निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। अक्तूबर के पहले सप्ताह से शिखर निर्माण का काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र परिसर में अपोलो की ओर से स्थापित किए जाने वाला हॉस्पिटल भी नवंबर से शुरू हो जाएगा। परिसर में स्थित अंगद व नल टीले का भी सुंदरीकरण ट्रस्ट कराएगा।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन देश के टाप 28श में, 365 दिन में 1 करोड़ से अधिक यात्री पहुंचे-अब बन रहा नया भवन

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर रेलवे स्टेशन को देशभर के 28 एनएसजी–1 (गैर उपनगरीय श्रेणी) स्टेशनों में चुना गया है। इसके अलावा लखनऊ जंक्शन, बनारस, छपरा और मऊ स्टेशन एनएसजी–2 श्रेणी में चुने गए हैं। एनएसजी–3 श्रेणी में 15, एनएसजी–4 में 24, एनएसजी–5 में 78 व एनएसजी–6 श्रेणी में 187 स्टेशन शामिल हैं। वहीं हाल्ट स्टेशन में एचजी–1 श्रेणी में 4, एचजी–2 में 87 एवं एचजी–3 श्रेणी में 100 स्टेशन वर्गीकृत हैं। वर्गीकरण के आधार पर ही स्टेशनों पर सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं के बेहतर अवस्थापन और देखरेख के लिए सरकार ने इनकी ग्रेडिंग शुरू कराई है। स्टेशन पर हर दिन आने–जाने वाले यात्रियों की संख्या, स्टेशन परिसर की सफाई, प्लेटफार्म पर मिलने वाली सुविधाओं आदि का आकलन कर एनएसजी–1 श्रेणी में स्टेशनों को चयनित किया जाता है। अगले पांच वर्ष के लिए स्टेशनों का वर्गीकरण जारी किया गया है। इसमें गोरखपुर स्टेशन को एनएसजी–1 श्रेणी में वर्गीकृ त कुल 28 स्टेशनों में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर जंक्शन से वर्ष 2023–24 में यात्रा शुरू करने वाले आरक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या 53,75,937 एवं अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों की संख्या 76,48,820 है। इस तरह यात्रियों की कुल संख्या 1,30,24,757 है। इस अवधि में आरंभिक यात्री यातायात से 591.94 करोड़ की आय हुई। गोरखपुर से ट्रेनों की बढ़ी हुई संख्या और बिहार व नेपाल के लिए सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी की सुविध ा होने के कारण यात्री यातायात एवं उससे रेल राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है। गोरखपुर जंक्शन का नया भवन बनवाया जा रहा है, जिस पर करीब 500 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। पिछले साल सात जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया था। नया स्टेशन भवन अगले 50 साल की जरूरत को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। सिटी सेंटर के रूप में इसे विकसित किया जाएगा। एनएसजी–1 श्रेणी में चयनित होने पर यहां यात्री सुविधाओं का और विकास हो सकेगा।

गोरखपुर के लिए यह खास उपलब्धि है। यहां से ट्रेनों की संख्या अधिक होने और बिहार–नेपाल समेत अन्य जगहों के लिए भी कनेक्टिविटी होने की वजह से यह उपलब्धि मिली है। इस श्रेणी में आने का मतलब है कि स्टेशन के विकास पर अधिक पैसा खर्च किया जा सकता है। आने वाले समय में यह स्टेशन अपने नए स्वरूप में दिखेगा।

कटेहरी विधानसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी कांग्रेस –नसीमुद्दीन सिद्दीकी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कटेहरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी को हर हाल में जीत दर्ज करनी है। इसके लिए सभी कांग्रेसजन को जी जीन से लगना पड़ेगा। ये बातें पूर्व मंत्री व कटेहरी विध ानसभा पर्यवेक्षक नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ता बैठक में कही। पूर्व मंत्री ने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता अपने को चुनाव के लिए तैयार ले, सभी का लक्ष्य जीत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद मेरा घर है, मैने यहां बहुत काम किया है। लगभग सभी गांवों से वाकिब हूं। सभी कार्यकर्ता अपनी उर्जा से कटेहरी विधानसभा में सक्रिय हो जाइए। प्रदेश उपाध्यक्ष केशवचंद यादव, महासचिव जयकरन वर्मा, सचिव अनिल भारतीय ने कहा कि कटेहरी विधानसभा सीट पर पार्टी हर हाल में जीतना चाहती है। इसके लिए हम सभी कांग्रेसजनों को तन मन धन से लगना होगा। गठबंधन में कांग्रेस पार्टी इस सीट के लिए मजबूत दावेदारी पेश करेगी। यदि सीट कांग्रेस के खाते में आएगी तो आपकी ऊर्जा से जीत मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एआईसीसी सदस्य मेराजुद्दीन किछौछवी व संचालन जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल छोटू ने की। इसके पूर्व पूर्व मंत्री सिद्दीकी ने प्रदेश सचिव अनीस खां के पहितीपुर आवास पर जाकर उनकी मां के निधन पर शोक व्यक्त किया। वहीं दुर्घटना में मारे गए औरंगनगर निवासी सुरेन्द्र शर्मा और संतलाल अग्रहरि घर पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। बैठक में प्रदेश सचिव अनीस खां, पूर्व प्रदेश सचिव अमित जायसवाल, पूर्व जिलाध् यक्ष राम कुमार पाल, सुनील मिश्र, डा. विजय शंकर तिवारी, कृष्ण कुमार पांडेय कक्कू, संजय तिवारी, विशाल वर्मा, सुखीलाल वर्मा, कृष्ण कुमार यादव, राजबहादुर मिश्र, श्रीकांत वर्मा, रवीश शुक्ला, अवधेश मिश्र, राजपत पटेल, दुर्गा प्रसाद पांडेय, विश्वभान मिश्र, आदित्य नारायण तिवारी, वीपी गौतम आदि मौजूद रहे।

मौसम के उतार-चढ़ाव से बीमारी की चपेट में आ रहे लोग

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला संयुक्त चिकित्सालय में बुखार व उल्टी व दस्त से पीड़ित मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। हालत यह है कि अस्पताल के ओपीडी में इस रोग के मरीजों की संख्या तीन गुना से अधिक हो गई है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखकर स्वास्थ्य विभाग चौकन्ना हो गया है। ऐसे में हर जगह मरीजों की लंबी कतार लगना प्रारंभ हो गई है। जिला अस्पताल में बुधवार को पंद्रह सौ से अधिक मरीजों का चिकित्सकों नें उपचार किया। यहां पर दवा कराने के लिए जो मरीज आए थे उनमें सबसे अधिक बुखार, उल्टी व दस्त के मरीज शामिल रहे। इन मरीजों की संख्या चार सौ से अधिक रही। वही अन्य विभागों में भी मरीजों की भीड़ लगी रही। ऐसे में मरीजों को जांच व दवा लेने के लिए सबसे अधिक समस्या झेलनी पड़ रही है। इन जगहों पर महिला व पुरुषों की लंबी–लंबी कतारें लगी हुई हैं। इससे कई मरीज जो दवा वितरण कक्ष के सामने लगी लाइन में चक्कर आने पर फर्श पर बैठे नजर आए। ओपीडी हाल में मरीजों की अधि कता के कारण गर्मी व पसीने से लोग लथपथ दिखे। पैथोलॉजी में तो जांच कराने के लिए मरीजों की भीड़ लगी रही। ऐसे में जांच रिपोर्ट लेने के लिए मरीजों व उनके तीमरदारों में नोक–झोंक भी होती रही। इन दिनों उमस भरी गर्मी खूब हो रही है। इससे दिन–रात पसीना निकलता रहता है। रोजाना ढाई से तीन लीटर पानी पिएं। दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचें। घर से जाएं तो खूब पानी पीकर। बाहर जाएं तो साथ में पानी भी रखें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। सिर को टोपी, छाता, गमछा आदि से ढांक लें।

छह सागरों पर इको टूरिज्म विकसित करने की कवायद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अंग्रेजों के जमाने में स्थापित जमींदारी नहर प्रणाली की सागरें उपेक्षित पड़ी हुई है। हाल में डीएम डॉ. राजागणपति आर की विशेष रुचि से भारत–नेपाल सीमा पर स्थित सागरों को पर्यटकीय स्वरूप देने की कवायद शुरू हो गई है। सिंचाई विभाग ने जिले के शोहरतगढ़ व नौगढ़ तहसील में स्थित छह सागरों पर इको टूरिज्म विकसित करने की रूपरेखा तैयार कर ली है। विभाग ने 49.54 करोड़ की प्राथमिक कार्ययोजना तैयार की है। सिटी जोन समेत वाच टॉवर, बुद्ध की प्रतिमाएं, ग्रीन जोन और मोटरवोट आदि की व्यवस्था की जाएगी। भारत–नेपाल बॉर्डर पर बर्डपुर क्षेत्र में बजहा, मझौली, सेमरा, मसई, मोती सागर, बटुआ, सिसवा, शिवपति, महला और मर्सी सागर स्थित है। इनमें सेमरा, मोती, मसई, बजहा, सिसवा व मझौली सागर के विकास की कार्ययोजना तैयार की गई है। सीडीओ जयेंद्र कुमार ने बताया कि डीएम के निर्देशन में सिंचाई विभाग की तरफ से बनाए गए कार्ययोजना में सागर में नौकायन, प्रवेश द्वार, वेडिंग जोन, ग्रीन जोन में बैठने की व्यवस्था, काटेज निर्माण, लकड़ी का 12.5 मीटर उंचा वॉच टावर, हाईमास्ट, सोलर लाइट, फुटपाथ, पार्किंग, पौधरोपण, शौचालय, रेलिंग, स्ट्रीट लाइट, सोलर उर्जा, बेंच, वॉटर सप्लाई टैंक, घाट, नेशनल फ्लैग, कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था शामिल है। इससे यहां आने वाले पर्यटकों को बैठकर सागर के सौंदर्यता देखने के लिए सिटी जोन निर्धारित किया गया है। वेडिंग जोन में स्थानीय खानपान की व्यवस्था होगी। साथ ही सागर किनारे टहलने के लिए डेडिकेटेड फुटपाथ–वे व ग्रीन जोन में भी बैठने की व्यवस्था होगी। इन सागरों के सीमा के निकट होने के कारण सागरों में नौकायन के दौरान नेपाल की पहाड़ियों के मनोरम दृश्य नजर आएंगे। सागरों पर इस परियोजना के पूर्ण होने से 1280 गांव, 21100 घर एवं 175000 आबादी लाभान्वित होगी। इससे जन–जागरूकता व समाजिक समरसता का विकास होगा। इससे कालानमक धान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। जिससे किसानों को फायदा होगा व राजकीय कोष में बढोतरी होगी।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स कचहरी परिसर गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स कचहरी परिसर गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय

मो.09450567450
Email- Awazdarpan@yahoo.com